Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक .....

नाम .....

901 **101** (NX)

अर्धवार्षिक परीक्षा 2021-22

कक्षा -11 (सामान्य हिंदी)

समय : 3 घंटे 15 मिनट | [पूर्णांक -100

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न - पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

खण्ड – क

1. (क) ' श्रृंगार रस - मण्डन ' के रचनाकार हैं – 10

i. नाभादास ,

ii. बिट्ठलनाथ ,

iii. गोकुलनाथ

iv. वल्लभाचार्य

(ख) ' राधाकृष्ण दास ' लेखक थे –

i. भारतेन्दु युग के ,

ii. छायावाद युग के ,

iii. द्विवेदी युग के ,

iv. छायावादोत्तर युग के

(ग) ' गोदान ' रचना की विधा है –

i. जीवनी ,

ii. आत्मकथा ,

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

iii. निबंध

iv. उपन्यास

(घ) " रूपक रहस्य ' के लेखक कौन हैं।

i. श्यामसुन्दरदास

ii. वियोगी हरि

iii. कृष्णदास

iv. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

(ङ) ' आनन्द कादम्बिनी ' पत्रिका के सम्पादक थे –

i. चतुर्भुजदास ,

ii. ज्योतिरीश्वर ठाकुर

iii. बदरीनारायण चौधरी प्रेमघन

iv. बालकृष्ण भट्ट

2. (क) 'आधुनिक हिन्दी काव्य का ' वैतालिक ' कहा जाता है –

i. जयशंकर प्रसाद ,

ii. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ,

iii. रामधारी सिंह ' दिनकर ' ।

iv. सूर्यकान्त त्रिपाठी ' निराला ' ,

(ख) अयोध्यासिंह उपाध्याय ' हरिऔध ' की रचना है -

i. साकेत ,

ii. प्रियप्रवास ,

iii. पल्लव ,

iv. गीत

(ग) हिंदी का प्रथम कवि माना जाता है ?

i. प्रसाद को

ii. सरहपा को

iii. विद्यापति को

iv. नरपति नाल्ह को

(घ) छायावाद के प्रवर्तक माने जाते हैं –

i. जयशंकर प्रसाद ,

ii. सूर्यकान्त त्रिपाठी ' निराला ' ,

iii. सुमित्रानन्दन पन्त ,

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) Visit For All PDF Files Download Free

iv. महादेवी वर्मा।

(ङ) रामधारी सिंह ' दिनकर ' को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया-

i. कुरुक्षेत्र पर ,

ii. रेणुका पर ,

iii. उर्वशी पर ,

iv. हुंकार पर।

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 10

(i) सब उन्नतियों का मूल धर्म है। इसके सबके पहले धर्म की ही उन्नति करनी उचित है। देखो अँगरेजो की धर्मनीति राजनीति परस्पर मिली हैं। इससे उनकी दिन - दिन कैसी उन्नति है। उनको जाने दो , अपने ही यहाँ देखो। तुम्हारे यहाँ धर्म की आड़ में नाना प्रकार की नीति और वैद्यक आदि भरे हुए ' हैं।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) अंग्रेजों की धर्मनीतियाँ किससे जुड़ी हैं ?

(घ) अंग्रेजों की उन्नति का रहस्य क्या है ? .

(ङ) उन्नति के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

(ii) आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है , व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है , राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता , दया , प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए |

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) मृदु वचनों की मिठास में कौन सी चीज मौन रूप से खुली हुई है?

(घ) नम्रता , दया , प्रेम और उदारता आदि सब क्या हैं ?

(ङ) मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव कैसा होता है?

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 10

(i) ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं।

हंस - सुता की सुंदर कगरी , अरु कुञ्जनि की छाँही।
वै सुरभी वै बच्छ दोहिनी , खरिक दुहावन जाहीं।
ग्वाल - बाल मिलि करत कुलाहल , नाचत गहि गहि बाहीं।
यह मथुरा कंचन की नगरी , मनि - मुक्ताहत जाहीं।
जबहिं सुरति आवति वा सुख की , जिय उमगत तन नाहीं।
अनगन भाँति करी बहुत लीला , जसुदा नंद निबाहीं ।।
सूरदास प्रभु रहे मौन स्वै , यह कहि कहि पछिताहीं ॥

(क) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) ब्रज को कौन याद कर रहा है ?
(घ) श्रीकृष्ण का मन कहाँ विचरण करता है ?
(ङ) यशोदा और नन्द कौन हैं ?

(ii) कबीर यहु घर प्रेम का खाला का घर नाहि|
सीस उतारै हाथि धरि , सो पैठे इहि मांहि||
जब मैं था तब हरि नही अब हरि है मैं नाहि|
सब अँधियारा मिटी गया , जब दीपक देख्या मांहि||

(क) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) खाला के घर से क्या तात्पर्य है?
(घ) अहंकार का विनाश कब हो जाता है ?
(ङ) प्रस्तुत पद्यांश में 'पैठे' और 'मैं' का क्या अर्थ है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए – 5

(i) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ,
(ii) डॉ ० सम्पूर्णानन्द ,
(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र |

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय एवं उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए -5

(i) सन्त कबीरदास ,

(ii) महाकवि भूषण ,

(iii) तुलसीदास |

6. (क) ' आकाशदीप ' अथवा ' बलिदान ' कहानी की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा ' बलिदान ' अथवा ' आकाशदीप ' कहानी के मुख्य पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए। 5

7. (ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए – 5

(i) ' कुहासा और किरण ' नाटक का नायक कौन है ? उसके चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा ' कुहासा और किरण ' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) ' आन का मान ' नाटक के प्रथम अंक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा ' आन का मान ' नाटक के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

(iii) ' गरुड़ध्वज ' नाटक के आधार पर वासन्ती का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा ' गरुड़ध्वज ' नाटक के कथानक में न्याय और राष्ट्रीय एकता पर विचार व्यक्त कीजिए।

(iv) ' सूत - पुत्र ' नाटक के उद्देश्य पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

अथवा ' सूत - पुत्र ' नाटक के नायक ' कर्ण ' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(v) ' राजमुकुट ' नाटक के आधार पर प्रमुख पात्र के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'राजमुकुट ' नाटक के तृतीय अंक की कथा संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए |

खण्ड - ख

8. (i) निम्नलिखित संस्कृत गद्य अवतरणों का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 7

(क) अस्योपत्यकायां विद्यमानः कश्मीरो देशः स्वकीयांभिः सुषमाभिः भूस्वर्ग इति संज्ञया अभिहितो भवति लोके , ततश्य पूर्वस्यां दिशि स्थितः किन्नर - देशो देवभूमिनाम्ना प्राचीनसाहित्ये प्रसिद्धः आसीत् ।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) Visit For All PDF Files Download Free

(ख) अद्यापि ' कुलूघाटी ' इति नाम्ना प्रसिद्धोऽयं प्रदेशः रमणीयतया केषां मनो न हरति । शिमला देहरादून - मसूरी - नैनीताल - प्रभृतीनि नगराणि देशस्य सम्पन्नान् जनान् ग्रीष्मर्ती बलादिव भ्रमणाय आकर्षन्ति । एभ्योऽपि पूर्वस्मिन् भागेऽवस्थितः रमणीयतमः प्रदेश : कामरूपतया ' कामरूप ' इति संज्ञया अभिधीयते ।

(ii) निम्नलिखित संस्कृत पद्य अवतरणों का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 7

(ग) श्रूयतां धर्मसर्वस्वं श्रुत्वा चाप्यवधार्यताम् ।
आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत् ॥

(घ)यतो यतः समीहसे ततो नो अभयं कुरु|
शन्नः कुरु प्रजाभ्यो5भयं नः पशुभ्य||

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किन्हीं दो के अर्थ लिखते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए – 2

(i) अक्ल चरने जाना ।
(ii) आँखें फेरना ।
(iii) घी के दिये जलाना ।
(iv) चोर की दाढ़ी में तिनका ।
(v) दूध का दूध पानी का पानी ।

10.(क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि - विच्छेद के सही विकल्प का चयन कर लिखिए – 3

(i) ' साक्षर : ' का सन्धि विच्छेद है –

i. स + अक्षरः ,
ii. सा + क्षरः ,
iii. सह + क्षरः ,
iv. साक्ष + रः ।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

(ii) ' तथेति ' का सन्धि - विच्छेद है-

i. तथ + इति ,

ii. तथा + इति ,

iii. त + थेति ,

iv. तथाइ + ति ।

(iii) ' पवनम् ' का सन्धि विच्छेद है -

i. पो + अनम् ,

ii. पू + अनम् ,

iii. पव + नम्

iv. पवन + म् ।

(ख) निम्नलिखित शब्द - युग्मों का सही अर्थ चुनकर लिखिए- 2

(i) अनिल - अनल

i.वायु और आग ,

ii.जल और कमल ,

iii.आग और वायु ,

iv.हवा और धूल |

(ii) अम्ब - अम्भ

i. माता और पानी ,

ii. आकाश और स्वर्ग ,

iii. माता और पिता ,

iv. देवी और देवता ।

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए -2

i. तीर ,

ii. हरि

iii. अनुज ,

(घ) निम्नलिखित वाक्यांशों में से किन्हीं दो के लिए एक - एक शब्द लिखिए – 2

i. न करने योग्य ।

ii. जिसके पास कुछ न हो ।

iii. बिना पलक गिराये ।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) Visit For All PDF Files Download Free

iv. जो ममत्व से रहित हो।

(ङ) निम्नलिखित शब्द रूपों में से किसी एक का वचन और विभक्ति लिखिए – 2

i. नाम्नो: ,

ii. आत्मभ्य:

iii. नाम्नाम् ।

(च) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए – 2

i. हमने अनेको लेख लिखे ।

ii. संतोस का फल मीठा होता है।

iii. ईश्वर सब का भाग विधाता है।

iv. आप कबीयित्री हैं ?

11. (क) वियोग श्रृंगार रस अथवा वीर रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) यमक अथवा उपमा अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए | 2

(ग) सोरठा अथवा कुण्डलिया छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए | 2

12. बिजली समस्या के निराकरण हेतु अपने जिले के बिजली विभाग को एक शिकायती पत्र लिखिए। 6

अथवा

शुल्क मुक्ति हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक आवेदन पत्र लिखिए।

13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा - शैली में निबन्ध लिखिए – 9

i. बेरोजगारी की समस्या |

ii. नारी चिन्तन का बदलता स्वरूप |

iii. शिक्षा का गिरता मूल्यगत स्तर |

iv. साहित्य और समाज।

v. कृषक जीवन की त्रासदी।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

हमारी वेबसाईट पर और ढेर सारा पीडीऍफ़ मटेरियल प्राप्त करें –
https://gyansindhuclasses.com/category/up-board-10th/

****

Gyansindhu Coaching Classes

Model Paper Prepared By :

Arunesh Sir

चैनल लिंक -

https://www.youtube.com/channel/UCBEWNQ637WdCBl6S4KCIzZQ

वेबसाइट लिंक - https://gyansindhuclasses.com/

फेसबुक पेज लिंक - https://www.facebook.com/Gyansindhu-Coaching-Classess-172631304514334/